नईदुनिया
इंदौर, शुक्रवार 16 सितंबर 2016

सुरक्षित पासवर्ड से लाइफ बनाएं आसान

एटीएम, मेल, सोशल साइट, सर्विस प्रोवाइडर वेबसाइट हर जगह हमें नियत पासवर्ड का इस्तेमाल करना पड़ता है जो वर्चुअल वर्ल्ड में हमारी एंट्री सुनिश्चित करता है। यानी पासवर्ड, वर्चुअल दुनिया के ताले की हमारी चाबी है। हम सभी यह चाहते हैं कि हमारा कोई भी ताला सिर्फ हमारी ही चाबी से खुले और कोई दूसरा उसका नाजायज इस्तेमाल ना कर सके। हमने पिछले सप्ताह के इसी कॉलम में सुरक्षित पासवर्ड पर चर्चा की थी और पासवर्ड सुरक्षित कैसे हों, इस पर कुछ बिंदुओं के जरिए सुझाव भी दिए थे। इसकी जरूरत इसलिए भी है क्योंकि एक कमजोर पासवर्ड को कोई भी विशेष सॉफ्टवेयर के जरिए क्रेक कर सकता है और आपकी निजी और महत्वपूर्ण जानकारियां किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ लग सकती है जो इनके दुरुपयोग से आपको नुकसान पहुंचा सकता है। आज हम इसकी दूसरी कड़ी में कुछ और सुझावों पर बात करेंगे।

वरुण कपूर
आईपीएस

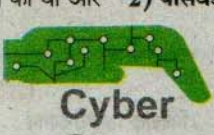

1) अपना पासवर्ड हर कहीं ना लिखें : कैलेंडर के पीछे, डायरी में, किसी कार्ड पर हम अपनी कुछ अहम बातें लिख देते हैं और कई बार तो पासवर्ड भी क्योंकि हम ये समझते हैं कि इससे हमारा काम आसान हो जाएगा। आमतौर पर हम देखते हैं कि किसी कम्प्यूटर के पास या उसके की-बोर्ड या माउस पेड के पीछे कुछ लिखा होता है, अक्सर इसे उपयोग करने वाले अपने डेस्कटॉप का पासवर्ड ऐसी जगहों पर लिख देते हैं और हैकर्स बिना किसी वायरस या सॉफ्टवेयर के इसे हासिल कर लेते हैं। कुछ लोग तो अपने मोबाइल में पासवर्ड लिख लेते हैं यह सोच कर कि ये सारे समय साथ रहता है, लेकिन वे यह नहीं सोचते कि मोबाइल अगर किसी गलत व्यक्ति के हाथ में पड़ गया तो क्या होगा। ऐसा ही एक मामला इंदौर में हुआ जब एक युवती परीक्षा हॉल में पहुंची तो एग्जामिनर ने उसका हैंडबैग हॉल के बाहर रखवा लिया। पर्चा खत्म करने के बाद जब वो हॉल से बाहर आई तो देखा उसका बैग नदारद था जिसमें मोबाइल, पैसे और एटीएम कार्ड थे। चोर को पता था कि बिना पासवर्ड के एटीएम का कोई उपयोग नहीं है तो उसने फोन बुक खंगाली जहां उसे एटीएम पासवर्ड के नाम से सेव पासवर्ड मिल गया और इसके पहले की युवती कार्ड ब्लॉक करवाती इसके अकाउंट से 60 हजार निकल चुके थे।

2) पासवर्ड किसी से साझा ना करें : इस तरह के फोन आना आम हो गया है जो खुद को किसी इंश्योरेंस कंपनी या बैंक का कर्मचारी बताते हुए आपसे आपका बैंक अकाउंट नंबर और उसका पासवर्ड मांगते हैं या मेल के जरिए कोई चेतावनी देते हुए इसे हासिल करने की कोशिश करते हैं। जो लोग सायबर कैफे या किसी दूसरे का कम्प्यूटर इस्तेमाल करते हैं वे अतिरिक्त सावधानी बरतें क्योंकि संभव हो कि कैफे ऑपरेटर ने ऐसा सॉफ्टवेयर डाल रखा हो जो आपके पासवर्ड को रिकॉर्ड कर लेता हो।

3) पासवर्ड रिकवरी ऑप्शन को सावधानी से चुनें : किसी साइट पर अकाउंट बनाते समय या बैंक के अकाउंट के दौरान जानकारी देते समय 'फॉरगेट पासवर्ड' कॉलम के लिए सवाल उभरता है 'व्हॉट इस योर मदर्स मैडन नेम' और हम इस किसी परीक्षा का गंभीर सवाल मानकर कॉलम में सही जानकारी डाल देते हैं, लेकिन जिसे हमारा पासवर्ड पता करना हो उसे इस सवाल के जवाब को हासिल करना कठिन नहीं होगा।

(लेखक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर इंदौर में पदस्थ हैं और विचार उनके व्यक्तिगत हैं)
ईमेल: varunkapoor170@gmail.com